भूत बंगला का नया गाना ओ सुंदरी हुआ रिलीज

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज़ हो गया है.

'भूत बंगला' के अनाउंसमेंट ने तो सबको एक्साइटेड कर ही दिया था, लेकिन अब इसके ट्रेलर ने इस मोस्ट-अवेयटेड हॉरर-कॉमेडी की दुनिया की एक झलक दिखा दी है. कॉमेडी और हॉरर के परफेक्ट ब्लेंड के साथ यह फिल्म एक जबरदस्त फैमिली एंटरटेनर होने वाली है. जहां एक तरफ फिल्म के गानों ने सस्पेंस बना रखा है, वहीं मेकर्स अब एक और नया ट्रैक 'ओ सुंदरी' लेकर आए हैं, जो फैमिली के साथ एन्जॉय करने के लिए एक बेहतरीन सेलिब्रेशन सॉन्ग है.

दुल्हन के जोड़े में मिथिला पालकर बेहद खूबसूरत लग रही हैं, वहीं अक्षय कुमार और वामीका गब्बी अपने डांस मूव्स से स्टेज पर आग लगा रहे हैं. यह गाना अक्षय और मिथिला के बीच भाई-बहन के प्यारे रिश्ते को बखूबी दिखाता है. 'ओ सुंदरी' को विशाल मिश्रा, नकाश अज़ीज़ और अंतरा मित्रा ने गाया है. प्रीतम के म्यूजिक और कुमार के लिखे बोलों ने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है.बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिवीजन), केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से पेश करते हैं अक्षय कुमार, वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव स्टारर 'भूत बंगला'. प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित और अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई 'भूत बंगला' के पेड प्रिव्यू थिएटर्स में 16 अप्रैल 2026 को रात नौ बजे से शुरू

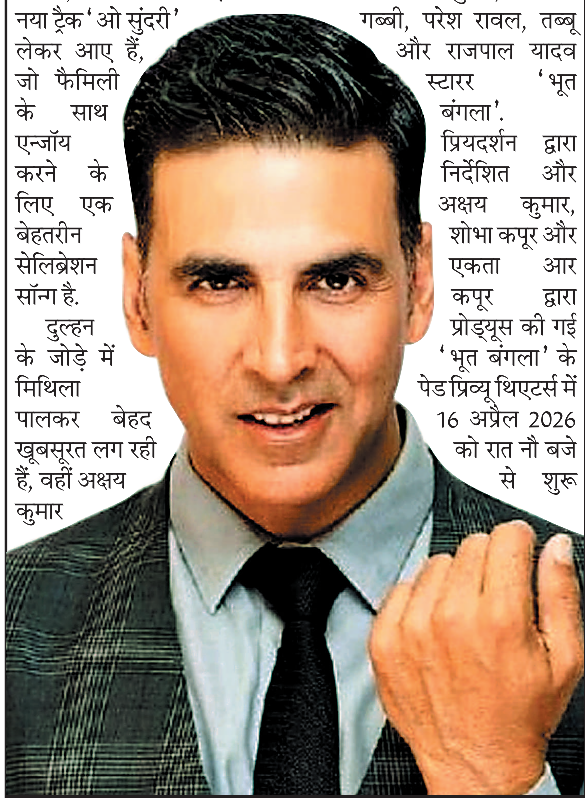

जी टीवी का शो 'गंगा माई की बेटियां', जिसमें अमनदीप सिद्धू (स्नेहा) और शीज़ान खान (सिद्ध) नजर आ रहे हैं, अपने हाई वोल्टेज ड्रामा के साथ दर्शकों को लगातार बांधे हुए है.

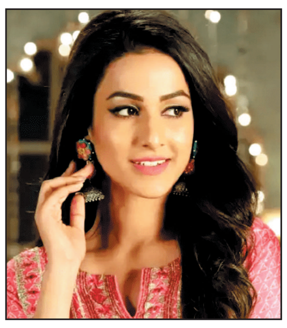

कहानी में अब एक बड़ा मोड़ आने वाला है, जब दुर्गावती और गंगा माई मिलकर स्नेहा और सिद्धू को अलग करने का फैसला करती हैं. दुर्गावती (दुर्गावती) के दबाव में आकर गंगा माई, स्नेहा से कहती हैं कि वो सिद्धू से अपने सारे रिश्ते खत्म कर दे. सच बताए बिना, वो सिद्धू की हैसियत पर सवाल उठाती हैं और उसे 'सिर्फ एक किसान कहती हैं, जो ज्यादा कमाता नहीं है. साथ ही स्नेहा को उसकी पढ़ाई और सपनों की याद दिलाती हैं, जिससे वो अंदर से टूट जाती है और उलझन में पड़ जाती है. इन सीन को

सिद्धू-स्नेहा ट्रैक पर बोलीं अमनदीप

शूट करने के अपने अनुभव को याद करते हुए अमनदीप सिद्धू बताती हैं कि ये ट्रैक उन्हें निजी तौर पर भी गहराई से छू गया. वो कहती हैं, 'यह ट्रैक बहुत ही इंटेंस और जज़्बाती है, क्योंकि स्नेहा को अपने आसपास की सच्चाई का बिल्कुल पता नहीं है.

'डकैत' में देसी अंदाज की रोमियो-जूलियट की कहानी

अभिनेता अड़ीवी शेष का कहना है कि उनकी फिल्म 'डकैत' क्लासिक रोमियो-जूलियट की कहानी का देसी मॉडर्न रूप है. अभिनेता अड़ीवी शेष ने फिल्म 'डकैत' के इमोशनल पहलू पर बात की है. उन्होंने इसे क्लासिक रोमियो और जूलियट की कहानी का एक नया और आज के समय के हिसाब से बनाया गया रूप बताया है, जिसे ग्रामीण भारत के सच्चे और कच्चे माहौल में दिखाया गया है.

हालांकि डकैत में एक्शन और बदले की कहानी भी है, लेकिन अड़ीवी शेष के अनुसार इसका असली केंद्र दो पुराने प्रेमियों की कहानी है, जिनका बीता हुआ रिश्ता आज भी उनकी ज़िंदगी को प्रभावित करता है. फिल्म दिखाती है कि अधूरा रह गया प्यार समय के साथ कैसे बदल जाता है- कभी चाहत में, कभी गुस्से में और कभी माफी या सुधार की भावना में.

अड़ीवी शेष ने कहा, 'मेरे लिए डकैत सिर्फ टकराव या बदले की कहानी नहीं है. इसके दिल में एक प्रेम कहानी है. यह हमारे समय की रोमियो-जूलियट जैसी कहानी है, लेकिन एक ऐसे माहौल में जो बहुत सच्चा और जमीन से जुड़ा हुआ लगता है. ये दो लोग हैं जो कभी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे, लेकिन जिंदगी ने उन्हें अलग रास्तों पर ले गया. जब वे फिर मिलते हैं, तो यह सिर्फ पुराने एहसासों को वापस पाने की बात नहीं होती, बल्कि उस सबका सामना करने की बात होती है.

अहान-अनीत की जोड़ी ने बनाया व्यूज का नया रिकॉर्ड

अहान पांडे और अनीत पड्डा के पेप्सी के लेटेस्ट समर कैंपेन ने इंस्टाग्राम पर रिलीज़ के एक महीने के भीतर 2.5 बिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है. यह भारत के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले ब्रांड फिल्मों में से एक बनकर उभरा है और यह दर्शाता है कि नई पीढ़ी के कलाकार पॉप कल्चर की बातचीत को किस तरह आकार दे रहे हैं.

ऐसे समय में जब ब्रांड्स बिखरे हुए ऑडियंस अटेंशन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, यह कैंपेन अपने एंटरटेनमेंट-फर्स्ट अप्रोच के कारण अलग नजर आता है, जो विज्ञापन और कंटेंट के बीच की सीमाओं को धुंधला करता है. यह फिल्म तेजी से ऑनलाइन ट्रेंड करने लगी, जहां दर्शकों ने इस जोड़ी की नई ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और युवा ऊर्जा को काफी पसंद किया. इंस्टाग्राम पर इस कैंपेन को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जो हाई शेयरबिलिटी और लगातार ऑडियंस एंगेजमेंट के कारण और भी बढ़ता गया. टीज़र से रिवील तक की कहानी के रूप में डिजाइन किए गए इस कैंपेन ने पहले दर्शकों में जिज्ञासा और चर्चाएं पैदा कीं और फिर ब्रांड कनेक्शन को सामने लाया. इस अप्रोच ने लगातार चर्चा और दोबारा देखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया.

शक्ति मोहन ने बताया सिंगल रहने का राज

शक्ति मोहन ने अपने हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया कि सिंगल रहना उनके लिए कोई मजबूरी नहीं, बल्कि एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है. उन्होंने बताया कि शादी को लेकर उनसे अक्सर सवाल पूछे जाते हैं—यहां तक कि उनके परिवार वाले भी जानना चाहते हैं कि क्या उनकी जिंदगी में कोई खास है. उनकी मां भी उन्हें रिश्ते में आने की सलाह देती हैं, लेकिन शक्ति का मानना है कि जिंदगी के ऐसे फैसले जल्दबाजी में नहीं लेने चाहिए.

शक्ति ने यह भी इशारा किया कि उनके पिछले रिश्तों का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा. उन्होंने बताया कि उन्हें कभी धोखा भी मिला, जिसने उन्हें रिश्तों को लेकर ज्यादा सतर्क बना दिया. हालांकि, उन्होंने इस अनुभव को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया, बल्कि इससे सीख लेकर खुद को और मजबूत किया.

उनका कहना है कि आज वह अपनी जिंदगी में खुश हैं और अपने करियर, पैशन और खुद की ग्रोथ पर फोकस कर रही हैं. उनके लिए शादी कोई लक्ष्य नहीं है, बल्कि एक ऐसा कदम है जो सही समय और सही इंसान के साथ ही लिया जाना चाहिए.

शक्ति ने यह भी कहा कि समाज को महिलाओं के फैसलों का सम्मान करना चाहिए. हर महिला की जिंदगी का रास्ता अलग होता है और जरूरी नहीं कि हर कोई एक ही टाइमलाइन फॉलो करे. उन्होंने यह संदेश दिया कि खुद की खुशी और मानसिक शांति सबसे ज्यादा जरूरी है.

'प्रोजेक्ट हेल मैरी' पर कॉपी का आरोप

कोइ मिल गया से मिलते सीन्स!

प्रोजेक्ट हेल मैरी और कोइ मिल गया के बीच समानता को लेकर सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस लगातार तेज होती जा रही है. खासतौर पर दोनों फिल्मों के कुछ सीन्स और स्टोरी एलिमेंट्स को लेकर यूजर्स ने कई सवाल उठाए हैं. 'कोई मिल गया' में जहां एक एलियन 'जादू' और इंसान के बीच भावनात्मक रिश्ता दिखाया गया था, वहीं 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' में भी इंसान और एलियन के बीच कनेक्शन और सहयोग की कहानी को दर्शाया गया है. यही समानता लोगों को सबसे ज्यादा चौंका रही है.

मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआर शेयर किए गए एक वीडियो ने इस विवाद को और हवा दे दी है, जिसमें दोनों फिल्मों के मिलते-जुलते दृश्यों को दिखाया गया. वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई—कुछ लोगों ने इसे 'इंस्पिरेशन' कहा, तो कुछ ने सीधे तौर पर 'कॉपी' करार दिया.

हालांकि, इस पूरे मामले में दिलचस्प बात यह है कि ऋतिक रोशन ने इस तुलना को लेकर कोई नाराजगी नहीं जताई है. बल्कि उन्होंने 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' का समर्थन करते हुए इसे एक पॉजिटिव संकेत माना है कि भारतीय सिनेमा के कॉन्सेप्ट अब ग्लोबल लेवल पर पहचाने जा रहे हैं. फिल्म की बात करें तो 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' एक साइंस-फिक्शन फिल्म है, जिसमें रयान गोसलिंग मुख्य भूमिका में नजर आए हैं. यह फिल्म लेखक एंडी वेयर के 2021 के उपन्यास पर आधारित है और अपनी डिटेलिंग व विजुअल्स के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. अब सवाल यह उठता है कि क्या यह समानता महज एक संयोग है या फिर सच में 'कोई मिल गया' से प्रेरणा ली गई है. हालांकि इसका जवाब तो फिल्ममेकर्स ही दे सकते हैं, लेकिन इतना तय है कि इस विवाद ने 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' को और ज्यादा चर्चा में ला दिया है.

विजय-रश्मिका का सेट पर शाही स्वागत

माइथ्री मूवी मेकर्स ने विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद 'राणाबाली' के सेट पर उनका ग्रैंड वेलकम किया है. फ़िल्म 'राणाबाली' 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है, जिसमें विजय देवरकोंडा एक खतरनाक योद्धा के रोल में नजर आएंगे. उनके साथ रश्मिका मंदाना 'जयम्मा' के किरदार में दिखेंगी. यह फिल्म भारत के इतिहास के उन पन्नों से जुड़ी एक दमदार कहानी को पर्दे पर लाएगी, जिनके बारे में दुनिया को ज्यादा पता नहीं है.

'राणाबाली' निश्चित रूप से इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है, जो माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले दर्शकों की पसंदीदा जोड़ी विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को एक साथ ला रही है.

फरहान अख्तर ने आशा भोंसले को दिया खास ट्रिब्यूट

बॉलीवुड फिल्मकार, अभिनेता और गायक फरहान अख्तर ने हाल ही में एक कॉलेज फेस्ट में,ऐसा पल बनाया जो सिर्फ संगीत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दर्शकों के दिलों को गहराई से छू गया.

अपनी जोशीली स्टेज उपस्थिति के लिए मशहूर फरहान ने अपने प्रदर्शन के बीच में रुककर दिग्गज गायिका आशा भोसले को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी, जिससे माहौल अचानक ऊर्जा से भरपूर से बदलकर गहरी भावनाओं और यादों से भर गया.

अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट की भावना को साझा करते हुए, फरहान ने बताया कि आशा भोसले का भारतीय संगीत पर कितना गहरा प्रभाव रहा है और कैसे उनकी आवाज़ पीढ़ियों से लोगों के जीवन का हिस्सा रही है.

उन्हें 'भारत की नंबर 1 सेनोरिटा' कहते हुए, उन्होंने उनके संगीत की विविधता की सराहना की.ऐसे गीत जो लोगों की यादों, भावनाओं और जीवन का हिस्सा बन चुके हैं. उनके शब्द बेहद व्यक्तिगत लगे, जैसे वे दर्शकों के साथ कोई साझा याद बाँट रहे हों.फरहान ने आशा भोसले का एक मशहूर गीत 'दम मारो दम' गाना शुरू किया, जिससे पूरा माहौल जोश से भर गया.

कृषि जगत

गर्मियों में सत्तू का कमाल

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर को ठंडा और ऊर्जावान बनाए रखना सबसे बड़ी जरूरत बन जाती है. ऐसे में सत्तू एक बेहद फायदेमंद और पारंपरिक पेय के रूप में उभरता है, जिसे खासतौर पर उत्तर भारत में बड़े चाव से पिया जाता है. चने या जौ से तैयार होने वाला सत्तू न सिर्फ सस्ता और आसानी से उपलब्ध होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी माना जाता है.

सत्तू की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह शरीर को तुरंत ठंडक पहुंचाता है. तेज गर्मी और लू से बचाव के लिए सत्तू का शरबत एक प्राकृतिक उपाय है. इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर का तापमान संतुलित रखते हैं और डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करते हैं. यही कारण है कि गांवों में खेतों में काम करने वाले लोग गर्मियों में सत्तू का सेवन जरूर करते हैं.

पोषण के लिहाज से भी सत्तू काफी समृद्ध होता है. इसमें

प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन नियंत्रण में मदद मिलती है. साथ ही यह पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है.

लहसुन की खेती से कमाई का मौका

लहसुन की खेती आज किसानों के लिए एक लाभदायक विकल्प बनती जा रही है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां जलवायु और मिट्टी इसकी खेती के अनुकूल होती है. इसकी मांग पूरे साल बनी रहती है, जिससे किसानों को अच्छा बाजार मिल जाता है. सही तकनीक और समय पर देखभाल के साथ किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं.

लहसुन की खेती के लिए सबसे उपयुक्त समय रबी सीजन होता है. इसकी बुवाई अक्टूबर से नवंबर के बीच की जाती है. इसके लिए भुरभुरी, अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे बेहतर मानी जाती है. खेत की तैयारी के दौरान अच्छी तरह जुताई कर उसमें गोबर की सड़ी हुई खाद मिलाना जरूरी होता है. इसके बाद लहसुन की

अच्छी गुणवत्ता वाली कलियों को उचित दूरी पर लगाया जाता है ताकि पौधों को पर्याप्त जगह मिल सके.

लागत की बात करें तो एक एकड़ में लहसुन की खेती करने में लगभग 40 हजार से 70 हजार रुपये तक का खर्च आ सकता है. इसमें बीज (कलियां), खाद, सिंचाई, मजदूरी और दवाइयों का खर्च शामिल होता है. सबसे ज्यादा खर्च बीज पर होता है, क्योंकि अच्छी किस्म का बीज उत्पादन को सीधे प्रभावित करता है. लहसुन की फसल लगभग 4 से 5 महीने में तैयार हो जाती है. जब पत्तियां सूखने लगती हैं, तब इसकी खुदाई की जाती है.

उत्पादन की बात करें तो एक एकड़ में औसतन 40 से 60 क्विंटल तक लहसुन निकल सकता है. अगर बाजार में लहसुन का भाव 3000 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल के बीच मिलता है, तो किसान आसानी से 1.5 लाख से 3 लाख रुपये तक की आय कर सकते हैं.

इस तरह लागत निकालने के बाद किसान को लगभग 80 हजार से 2 लाख रुपये तक का मुनाफा हो सकता है. हालांकि, यह मुनाफा बाजार भाव, मौसम और सही देखभाल पर निर्भर करता है. कीट और रोगों से बचाव के लिए समय-समय पर दवाइयों का छिड़काव करना जरूरी होता है. कुल मिलाकर, लहसुन की खेती कम समय में अच्छा लाभ देने वाली फसल है. यदि किसान वैज्ञानिक तरीके अपनाएं और बाजार की सही जानकारी रखें, तो यह खेती उनकी आय बढ़ाने का मजबूत जरिया बन सकती है.

खुरपका-मुंहपका : एक गंभीर पशु रोग

खुरपका-मुंहपका रोग पशुओं में होने वाली एक अत्यंत संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से गाय और भैंस जैसे पशुओं को प्रभावित करती है. यह रोग वायरस के कारण फैलता है और एक पशु से दूसरे पशु में बहुत तेजी से फैल सकता है. खासकर बरसात और बदलते मौसम में इसका खतरा अधिक बढ़ जाता है. इस बीमारी से पशुओं की दूध उत्पादन क्षमता घट जाती है, उनकी सेहत कमजोर हो जाती है और कभी-कभी भारी आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है.

इस रोग में पशुओं के मुंह, जीभ, होंठ और पैरों में छाले पड़ जाते हैं. पशु को चलने में दर्द होता है, वह ठीक से चारा नहीं खा पाता और दूध देना कम कर देता है. कई बार बछड़ों में यह बीमारी गंभीर रूप भी ले सकती है. इसलिए किसानों और पशुपालकों के लिए इसकी रोकथाम बहुत जरूरी है.

खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका टीकाकरण है. सरकार द्वारा पशुओं को हर 4 से 6 महीने में का टीका लगाने की सलाह दी जाती है. समय पर टीकाकरण कराने से पशु इस बीमारी से काफी हद तक सुरक्षित रहते हैं. इसके अलावा नए पशु को झुंड में शामिल करने से पहले उसे कुछ दिनों के लिए अलग रखना चाहिए ताकि बीमारी फैलने का खतरा न रहे.

पशुशाला की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना भी जरूरी है. पशुओं के रहने की जगह को नियमित रूप से साफ करें और कीटाणुनाशक दवाओं का छिड़काव करें.

यदि किसी पशु में इस रोग के लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए. घरेलू इलाज के बजाय विशेषज्ञ की सलाह लेना अधिक सुरक्षित होता है. बीमार पशु को आराम दें और उसे नरम व पौष्टिक आहार दें ताकि वह जल्दी ठीक हो सके.

गुलाब उगाकर कमाएं लाखों

गुलाब की खेती आज पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर एक कमर्शियल और हाई-प्रॉफिट बिजनेस के रूप में उभर रही है. खास बात यह है कि गुलाब सिर्फ सजावट के लिए ही नहीं, बल्कि इत्र, गुलकंद, औषधि और कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है. ऐसे में किसान अगर सही किस्म और बाजार की मांग को समझकर खेती करें, तो अच्छी आमदनी कमा सकते हैं.

गुलाब की खेती के लिए ठंडी से मध्यम जलवायु सबसे उपयुक्त मानी जाती है. अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए बेहतर रहती है. खेत तैयार करते समय गोबर की सड़ी खाद और जैविक उर्वरक मिलाना जरूरी होता है, जिससे पौधों की वृद्धि अच्छी होती है. गुलाब की पौध रोपाई आमतौर पर अक्टूबर से फरवरी के बीच की जाती है. पौधों के बीच उचित दूरी रखना जरूरी है, ताकि हवा और धूप सही मात्रा में मिल सके.

गुलाब की अलग-अलग किस्में किसानों के लिए अलग-अलग तरह से मुनाफा देती हैं. जैसे देसी गुलाब से गुलकंद और इत्र बनाने में अच्छा लाभ मिलता है, वहीं हाइब्रिड गुलाब की मांग फूलों की सजावट और बुके बनाने में ज्यादा होती है. इसके अलावा डच गुलाब की खेती ग्रीनहाउस में की जाती है, जो एक्सपोर्ट क्वालिटी के होते हैं और इनकी कीमत बाजार में काफी अधिक मिलती है.

लागत की बात करें तो एक एकड़ में गुलाब की खेती करने में लगभग 80 हजार से 1.5 लाख रुपये तक खर्च आ सकता है. इसमें पौध, खाद, सिंचाई, मजदूरी और रखरखाव का खर्च शामिल होता है.

उत्पादन और कमाई की बात करें तो एक एकड़ से सालाना लाखों फूल प्राप्त किए जा सकते हैं. बाजार में गुलाब के फूलों की कीमत 2 से 10 रुपये प्रति फूल या उससे अधिक भी हो सकती है, जो सीजन और क्वालिटी पर निर्भर करती है. इस हिसाब से किसान सालाना 2 लाख से 5 लाख रुपये तक की कमाई कर सकते हैं. इस तरह गुलाब की खेती किसानों के लिए एक स्मार्ट और लाभदायक विकल्प बन सकती है.